

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

प्रथम सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 01

प्रबंध के सिद्धांत एवं संगठनात्मक व्यवहार

समयावधि : 03 घंटे

पूर्णांक : 70

निर्देश : 1. अंतिम प्रश्न अनिवार्य है।2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : प्रबंध को परिभाषित कीजिए। "प्रबंध एक सार्वभौमिक प्रक्रिया है" विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 02 : हेनरी फेयोल द्वारा प्रतिपादित प्रबंध के सिद्धांत का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 03 : एक अच्छे प्रबंधक में मुख्य रूप से क्या गुण अपेक्षित हैं ? विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 04 : केंद्रीयकरण एवं विकेंद्रीयकरण की अवधारणा को समझाते हुए इसके लाभ एवं दोष की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 05 : "व्यक्ति संगठन के क्रियाकलापों का सबसे महत्वपूर्ण साधन है"। समझाइए।

प्रश्न 06 : "कुशल अभिप्रेरण के साधनों से उत्पादकता में वृद्धि होती है", समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 07 : उपक्रम के निश्चित लक्ष्यों को प्राप्त करने में नियंत्रण एवं नियोजन के महत्वपर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 08 : परिवर्तन की व्याख्या कीजिए। आधुनिक युग में व्यावसायिक दृष्टि से परिवर्तन के महत्व को समझाइए।

प्रश्न 09 : संगठन में संघर्ष के विभिन्न आयामों को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) कार्य दबाव का कार्यक्षमता पर प्रभाव

(ख) प्रबंध अंकेक्षण की विशेषताएँ एवं सीमाएँ

(ग) प्रत्यायोजन का प्रभावशाली नियंत्रण से संबंध

(घ) वर्तमान आर्थिक वातावरण एवं प्रबंधकीय चुनौतियाँ



व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

प्रथम सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 02

व्यावसायिक संप्रेषण

समयावधि : 03 घंटे

पूर्णांक : 70

निर्देश : 1. अंतिम प्रश्न अनिवार्य है।2. शेष में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : संप्रेषण की व्याख्या करते हुए, एक व्यवसाय की सफलता में संप्रेषण की भूमिका को समझाइए।

प्रश्न 02 : औपचारिक एवं अनौपचारिक संप्रेषण को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 03 : प्रस्तुतीकरण का अर्थ समझाइए। मौखिक प्रस्तुतीकरण में भाषा के महत्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 04 : साक्षात्कार की आवश्यकता को समझाते हुए, इसके मुख्य चरणों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 05 : सौदेबाजी का व्यापार में क्या महत्व है ? इसकी प्रक्रिया को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 06 : प्रतिवेदन लेखन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए प्रभावी प्रतिवेदन के तत्वों को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 07 : विज्ञापन को परिभाषित करते हुए, इसकी विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 08 : व्यावसायिक संप्रेषण के वैधानिक पक्ष पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 09 : "ई-मेल संदेश को संप्रेषित करने का एक अत्याधुनिक व सस्ता माध्यम है"। विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) प्रेस विज्ञप्ति

(ख) आरोही अथवा उर्ध्वगामी संचार

(ग) आत्मसार

(घ) प्रतिपुष्टि



व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

प्रथम सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 03

प्रबंधकीय अर्थशास्त्र

समयावधि : 03 घंटे

पूर्णांक : 70

निर्देश : 1. अंतिम प्रश्न अनिवार्य है।2. शेष में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : प्रबंधकीय अर्थशास्त्र से प्रबंधकों को सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त होता है। विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 02 : माँग विश्लेषण का व्यावसायिक निर्णय पर प्रभाव समझाइए।

प्रश्न 03 : "सम-विच्छेदन विश्लेषण" यह शून्य लाभ बिंदु है। विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 04 : अर्थशास्त्रीय दृष्टि से बाजार की व्याख्या कीजिए। बाजार वर्गीकरण के विभिन्न आधारों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 05 : एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता को परिभाषित कीजिए ? इसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए ?

प्रश्न 06 : लागत धन मूल्यनिर्धारण को सचित्र समझाइए एवं इसके गुण-दोष का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 07 : रोजगार का अभाव एवं आर्थिक व्यवस्था के मध्य संबंध को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 08 : व्यापार चक्र पूँजीवादी प्रणाली के अभिन्न अंग हैं। विस्तार से स्पष्ट करें।

प्रश्न 09 : राष्ट्रीय आय को मापने की विधियों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) मुद्रा प्रसार के प्रभाव

(ख) अल्पाधिकार के अंतर्गत मूल्य निर्धारण

(ग) प्रत्याय का सिद्धांत

(घ) माँग पूर्वानुमान



व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

प्रथम सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 4

प्रबंधकीय लेखांकन

समयावधि : 03 घंटे

पूर्णांक : 70

- निर्देश :** 1. अंतिम प्रश्न अनिवार्य है।
2. शेष में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : वित्तीय विवरणों के विभिन्न प्रकारों को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 02 : तरलता का विश्लेषण क्या है ? इसके लिए किन-किन अनुपातों की गणना की जाती है ? विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 03 : कोश प्रवाह विवरण को परिभाषित कीजिए। एक व्यवसायी के लिए इसका क्या महत्व है, समझाइए ?

प्रश्न 04 : निम्नलिखित चिह्नों से कोश प्रवाह विवरण बनाइए-

दायित्व	2007-08 राशि रु.	2008-09 राशि रु.	संपत्तियाँ	2007-08 राशि रु.	2008-09 राशि रु.
पूँजी	80,000/-	85,000/-	भूमि एवं भवन	50,000/-	50,000/-
लाभ-हानि खाता	14,500/-	24,500/-	संयंत्र एवं मशीनरी	24,000/-	34,000/-
बंधक	-	5,000/-	रहतिया	9,000/-	7,000/-
लेनदेन	9,000/-	5,000/-	लेनदार	16,000/-	19,500/-
योग	10500/-	11500/-	बैंक	4,000/-	9,000/-
				1,03,500/-	1,19,500/-

प्रश्न 05 : सीमांत लागत लेखांकन को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 06 : बजट को परिभाषित कीजिए। "बजट एक महत्वपूर्ण नियंत्रण तकनीक है" इस वाक्य का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 07 : 10,000 इकाइयों के उत्पादन पर प्रति इकाई बजट व्यय निम्नलिखित है -

	राशि (रु.)		राशि (रु.)
प्रत्यक्ष सामग्री	60/-	स्थिर उपरिव्यय (1,60,000)	16/-
प्रत्यक्ष श्रम	30/-	विक्रय व्यय (20% फिक्स)	15/-

प्रश्न जारी ... =>

परिवर्तनशील उपरिव्यय 20/- प्रशासन व्यय (50,000/- फिक्स) 05/-

प्रत्यक्ष परिवर्तनशील 05/- वितरण खर्चे (20% फिक्स) 05/-

6,000, 7,000 तथा 8,000 इकाइयों के उत्पादन पर लोचदार बजट बनाइए। स्थिर तथा परिवर्तनशील लागतों को स्पष्ट रूप से अलग-अलग दर्शाइए।

प्रश्न 08 : प्रमाप लागत की व्याख्या कीजिए। प्रमाप लागत लेखांकन के लाभ एवं इसकी सीमाओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 09 : स्थिर उपरिव्यय लागत को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) विक्रय बजट

(ख) रोकड प्रवाह विवरण

(ग) सकल लाभ अनुपात

(घ) प्रमाप लागत विवरण

